**Seventeenth Loksabha**

>

Title: Regarding construction of a bridge between pirpainti and Karhagola Gangaghat in Katihar Parliamentary Constituency, Bihar.

**श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामी (कटिहार):** सभापति महोदय, आपने मुझे समय दिया, उसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरे संसदीय क्षेत्र कटिहार जिला के अंतर्गत बरारी प्रखण्ड में काढ़ागोला गंगाघाट एक पौराणिक स्थल है तथा एक ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व का भी है। महोदय, सन् 1962 में चाइना वॉर के दौरान काढ़ागोला गंगाघाट, दार्जिलिंग सरहद के रास्ते से बिहार के रेजीडेंट सेन्टर पटना के दानापुर छावनी से जवानों ने बर्मा बार्डर तक कूच किया था।

यह सड़क मीर कासिम और शेरशाह सूरी के शासन काल से निर्माण होती आ रही है और इसको उपयोग में लाया जा रहा है। उस समय का कारागोला घाट एक व्यापारिक केन्द्र था और आज भी है। कारागोला गंगा घाट से दार्जिलिंग होते हुए चीन सीमा तक पहुंचने का एक सुगम रास्ता भी है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहूंगा और सरकार से आग्रह करूंगा कि पीरपैंती और कारागोला घाट के बीच, कारागोला गंगा घाट पर ब्रिज का निर्माण हो जाने से बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल के साथ-साथ पड़ोसी देश नेपाल से भी हिन्दुस्तान का संबंध जुड़ जाएगा और इस क्षेत्र का विकास होगा। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।